



ANSHUL

VOLUME-2

Aryan Jaiswal

ABOUT :

So, the One-Sided Love from volume-1 continues. But this time, it gets more better and more poetic. So, the pain, wins and losses are the same. Pain of loving someone every moment infinitely with no expectations and not getting same in return, Win is to just talk to her in any way, & Loss is the fear of letting her go.

ANSHUL

(Volume-2)

- 1. Aaj Bhi**
- 2. Baag**
- 3. Fikar**
- 4. Haal-A-Dil**
- 5. Kabhi-Kabhi**
- 6. Karz**
- 7. Shayar**
- 8. Toot Kar**

1. AAJ BHI (आज भी)

आज भी टकराया हमसे तू राहों में,

आज भी तू था किसी और की ही बाहों में,

आज भी सोया ना हूँ रातों में,

आज भी खोया रहूँ तेरी यादों में,

आज भी तुझको ही चाहूँ मैं,

आज भी करूँ खुद से सवाल, ये तेरे बिन कहाँ हूँ मैं,

आज भी दीदार पर तेरे ही लिख रहा हूँ मैं,

आज भी करूँ तुमसे जो प्यार, तो लगता इश्क़ के बाज़ार में बिक रहा हूँ मैं,

आज भी तू करे हमको अनदेखा, क्या तुझको नहीं दिख रहा हूँ मैं,

आज भी मैं सोचूँ, तेरा मेरा रिश्ता क्या है,

मैं तेरी हर रंग से वाकिफ़, और तू मुझे पहचानता नहीं,

आज भी मैं सोचूँ, तू बर्बादी हैं या फ़रिश्ता-सा है,

मैं तुझे रब मानकर इबादत करूँ, और तू मुझे कुछ मानता नहीं,

आज भी मैं सोचूँ, जितना प्यार मैंने किया उतना क्या तू कर पाएगा,

मैं तेरी तमन्ना रखूँ, और तू हमें दुआओं में माँगता नहीं,

आज भी मैं सोचूँ, जितना प्यार हम कर रहे हैं क्या तू कर पाएगा,

मैं सारी सीमाएँ लांगूँ, और तू कुछ भी लांगता नहीं,

आज भी तुम अंशुल, हम आज भी अंधेरे,

आज भी तुम मंज़िल, हम आज भी हैं तेरे,

आज भी पूरी रातें जगूँ, यहाँ होते नहीं सवेरे,

आज भी मैं दर्द में ही, जानम आकर तू दवे दे,

आज भी मैं सबको भूलता हूँ तेरे ही खातिर,

आज भी हर महफ़िल में तेरी, रहता हूँ मैं हाज़िर,

आज भी हम तेरा प्यार ढूँढे, तुम आज भी नहीं आतिफ़,

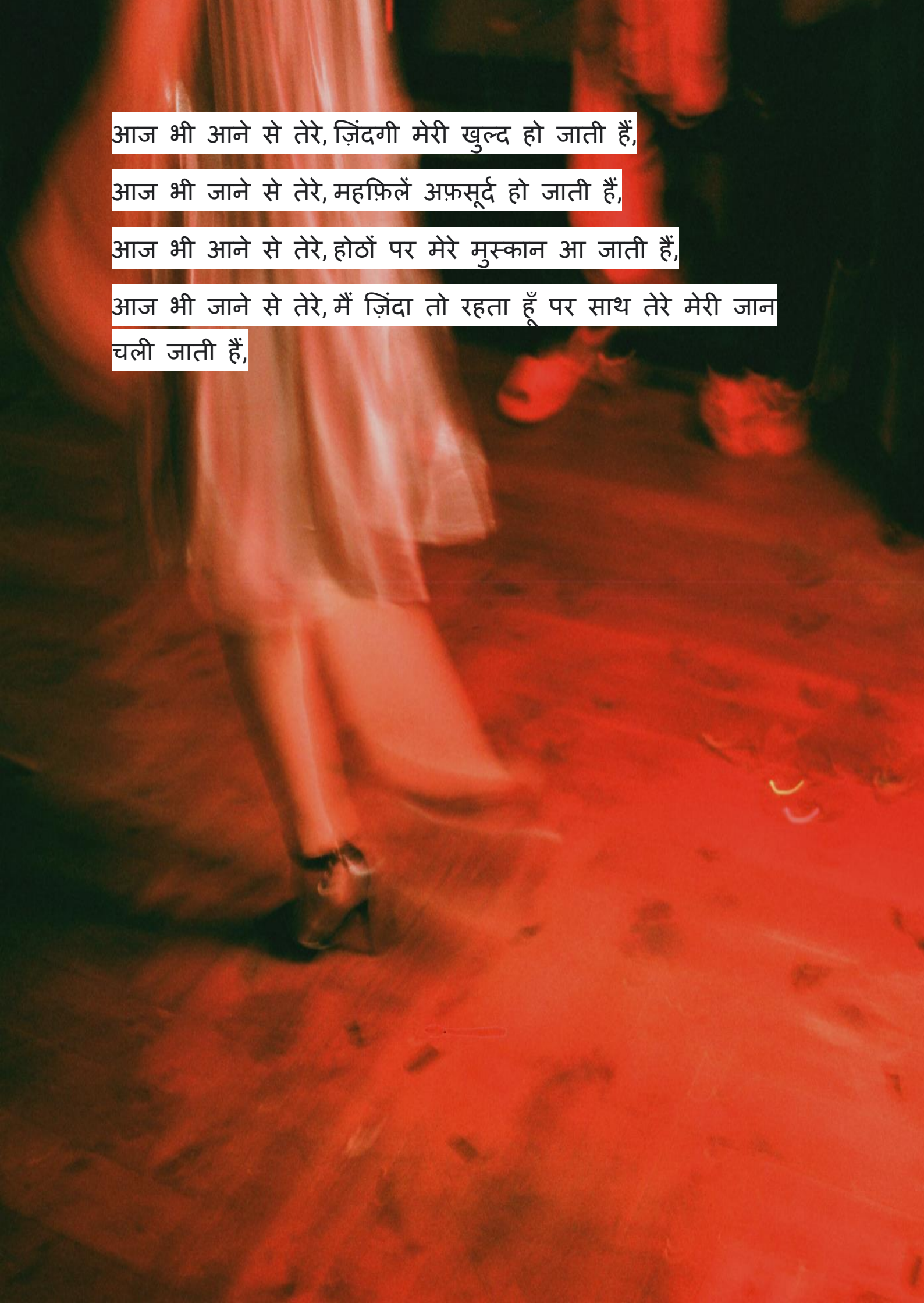
आज भी हमसे ज़्यादा कोई तुझे चाहे ना, तुम कर लो साबित,

आज भी कहता हूँ खुद से, अभी जीना पड़ेगा तेरे इंतज़ार में,

आज भी कहता हूँ खुद से, अभी वक़्त हैं तेरे दीदार में,

आज भी पूछता हूँ खुद से, कैसा लगता होगा दो-तरफ़ा प्यार में,

आज भी पूछता हूँ खुद से, कही तेरे प्यार में ज़िंदगी ना जाऊँ हार में,

A person wearing a long, flowing white dress is walking on a red carpet. The image is slightly blurred, suggesting motion. The red carpet is a deep, vibrant red, and the person's white dress contrasts sharply with it. The background is dark and out of focus.

आज भी आने से तेरे, ज़िंदगी मेरी खुल्द हो जाती हैं,

आज भी जाने से तेरे, महफ़िलें अफ़सूद हो जाती हैं,

आज भी आने से तेरे, होठों पर मेरे मुस्कान आ जाती हैं,

आज भी जाने से तेरे, मैं ज़िंदा तो रहता हूँ पर साथ तेरे मेरी जान
चली जाती हैं,

2. BAAG (बाग)

तू मुझको ना मिली, इसमें मेरी क्या गलती,
तेरी ही वजह से, मेरी खुदा से नहीं बनती,
आँखों में मोहब्बत मेरे, तू आँखें ही नहीं पढ़ती,
मुझपे तेरा ही हैं भूत, ये चाहत नहीं फ़र्ज़ी,

मैं ठहरा हूँ जैसे हूँ कोई दरिया,
तू रुकता ही नहीं जैसे के नदियाँ,
तेरे बिन एक पल भी लगती हैं सदियां,
तुझको मैं चाहूँ, तू मेरी रह रसिया,

बागों में, अब फूल खिलते नहीं,
तुम गुज़रते बग़ल से, पर मिलते नहीं,
दिल की जगह, सीने में तू धड़कता है,
तेरी मुस्कान से, मन रोज़ बहकता है,

तस्वीरों पे तेरे, धूल आए ना,
रहता हैं डर, कहीं तू भूल जाए ना,

गिरकर, संभल जाऊँ,

मुस्कुराए जो तू,

दर्दों से भी, निकल जाऊँ,

मैं लिखूँ तेरे बारे, कागज़ों पर निखर आऊँ,

तू जाए जब दूर, अंदर से बिखर जाऊँ,

चेहरे से तेरे, मेरे चेहरे का खिलना,

आँखों पे तेरे, मेरा सुबह-ओ-शाम लिखना,

बातों से तेरे, मेरे धड़कनों का बढ़ना,

मुस्कुराहटों से तेरे, घावों का सिलना,

हम मिलते तो रोज़ हैं, पर तुम कभी मिले नहीं,

तुम जानते तो सब हो, पर देते सिले नहीं,

दर्दों के, कम होते सिलसिले नहीं,

तुम गए जब दूर, उसके बाद से हम खिले नहीं,

3. FIKAR (फिकर)

तुझे कोई चाहता होगा, तू भी किसी को चाहती होगी,

कोई तेरी खातिर रुका होगा, पर तू किसी के पीछे भागती होगी,

तुझसे मिलवाकर किया दूर किसको, खुदा ने जीते जी उसे मौत दी होगी,

तुम्हें भी किसी की होगी तलब, उससे फुर्कत तुम्हें मौत सी होगी,

तुम्हें कोई छोड़ जाए, तो उससे भारी नुकसान किसी का होगा नहीं,

पर कोई ऐसा भी तुमसे होगा दूर, जिससे नुकसान तेरा होगा अगर उसको तूने रोका नहीं,

तेरे लिए सबसे ऊपर खुदा होगा, पर किसी के लिए तुझसे ऊपर कोई होगा नहीं,

कभी एक तरफ़ा प्यार तुम्हें भी होगा, फिर मेरी तरह खुद को देना तुम धोखा नहीं,

तुझे क्यों लगता ऐसा,
किसी को तेरी फ़िकर नहीं,
मेरा एक पल नहीं ऐसा,
जिसमें तेरा ज़िकर नहीं,
टूटते तो सब ही हैं,
पर जाना तुम बिखर नहीं,
तेरी फ़िकर हैं जिसको,
तुझको उसकी फ़िकर नहीं,

तू आज हैं खुश, कल शायद ना हो,
जो भी जज़्बात हैं तू आज लिख लूँ, कल काग़ज़ ना हो,
तू आज किसी की इबादत, कल तेरा भी कोई होगा इबादत,
करना तुम प्यार दिल में रखकर वफ़ा, प्यार में किया नहीं करते
मिलावट,
बार्ते असल में ये गहरी, पर देखो काग़ज़ पर ये लगती सजावट,
लिखने को अभी भी काफ़ी कुछ, पर शायद ज़रूरी होती कुछ रुकावट

4. HAAL-A-DIL (हाल-ए-दिल)

तेरे लिए कुछ बातें हैं जो लफ्जों से बयां नहीं होती, सिर्फ उन्हें रातों की तनहाइयों में तेरी यादों के सहारे लिखा जा सकता है, आज सिर्फ तेरे लिए पेश-ए-खिदमत हैं कुछ बातों का जो तुझसे कह ना पाऊँगा, कुछ यादों का, कुछ राजों का, मेरे हाल-ए-दिल का :-

तेरे साथ चलूँ ज़िंदगी भर, पर तुम थकना मत,

थक जाओगी तो तुम्हें गोद में उठा लूँगा, पर अगर ना उठा पाऊँ तो हँसना मत,

मैं फ़ोन करूँगा तुम्हें और कुछ नहीं बोलूँगा,

फ़ोन पर सन्नाटा रहें तो समझ जाना मैं हूँ और फ़ोन तुम रखना मत,

तू नहीं रहेगी तो तेरी तस्वीरें देख कर मुस्कुरा दूँगा, बस हमसे पहले तुम मरना मत,

याद हमें तेरी हमेशा आती है, कभी तुझे आये तो लिखना खत,

कलम उठाना और लिखना सच,

एक था पागल, जिसे तुझसे कुछ नहीं चाहिए था,

बस तुझे खास महसूस करवाना था,

थामना था हाथ तेरा, संवारना था बाल तेरा, चूमना था गाल तेरा,

तू उसके प्यार से अनजान थी, पर आज भी उसका हर साल मेरा,
या कह देना,

एक था जिसने तुझे बहुत चाहा पर कभी बताया नहीं,

तुझे हंसाने की खातिर क्या-क्या नहीं किया पर कभी जताया नहीं,

तेरे सिवा किसी और को दिल में बंसाया नहीं,

तेरी तस्वीरों को रखा संभालकर, उन्हें जलाया नहीं,

तेरी यादें मिट ना जाए, इसलिए तुझपर लिखा तुझे भुलाया नहीं,

तेरे सामने मुस्कुराकर, अपने दर्दों को छुपाकर,

कितनी आसानी से अपनी मोहब्बत छिपा ली, पर कभी तुझे रुलाया
नहीं,

अगर तू आँखें पढ़ पाती, तो तू समझती की उसकी आँखों ने तुझे
भगवान माना हैं,

तेरे साथ वाले पलों को जन्नत और तेरे बगैर जो बीता उसे शमशान
माना हैं,

आज भी अक्सर रातों को तेरी तस्वीरों को सीने से लगाकर
मुस्कुराऊँ,

पर अगले ही पल रो दूँ मैं,

आज तू नज़रों के दरमियां तो तुझे देखकर ही खुश हूँ,

पर क्या होगा उस दिन जिस दिन तुझे खो दूँ मैं,

5. KABHI-KABHI (कभी-कभी)

कभी-कभी लगता वक्त ही मुझको मार देगा,

कभी-कभी लगता भगवान ही मुझको मार देगा,

खुली आँखों से मैंने देखी जब दुनिया, तो मैंने महज़ एक बाज़ार देखा,

लोगों की आँखों में हार देखा, प्यार में होते व्यापार देखा,

वो झूठ को समझ रहे तरक्की, मेरी नज़र ने तो सबको बर्बाद देखा,

यहाँ कोई गरीब तो कोई अमीर, पर कोई भी यहाँ हैं असल नहीं,

आँखों से देख के गलती, उसे औरों के मसले बताकर देते ये दखल नहीं,

सच्चाई को तुम लोगे छुपा, पर सकते उसे तुम बदल नहीं,

सच्ची मोहब्बत की भी होती पहचान, अगर बिकता यहाँ पर बदल नहीं,

हैं ज़िंदगी जिसका नाम वो तो पैसों का खेल हैं,

हैं ज़िंदगी जिसका नाम वो तो गरीब का जेल हैं,

दुखों को कहते ये झेल ले, क्योंकि मौत में अभी काफ़ी भी देर हैं,

चाहा था जो वो मिला नहीं, तो चाहने पर मौत भी मिलती कैसे,

दर्दों के आगे खुशियाँ कुछ भी नहीं, तो करते उसकी गिनती कैसे,

जब इश्क में सबकी दुनिया बसी, तो उसके बगैर यहाँ ज़िंदगी कैसे,
प्यार तो कड़ियों से होता है, पर वो एक ही जिसके बगैर दिल-लगी
कैसे,

यहाँ सब कुछ रेत का है, एक हवा के झोके से टूट सा जाता है,

यहाँ सब में दरार है, एक सवाल पर साथ ये छूट सा जाता है,

एक दिन में सैकड़ों को देख ले, तब भी वो एक चेहरा दिल ये भूल
नहीं पाता है,

ये कदम और ये जिस्म उससे दूर आ जाते हैं, दिल और मन उसके
पास ही रह जाता है,

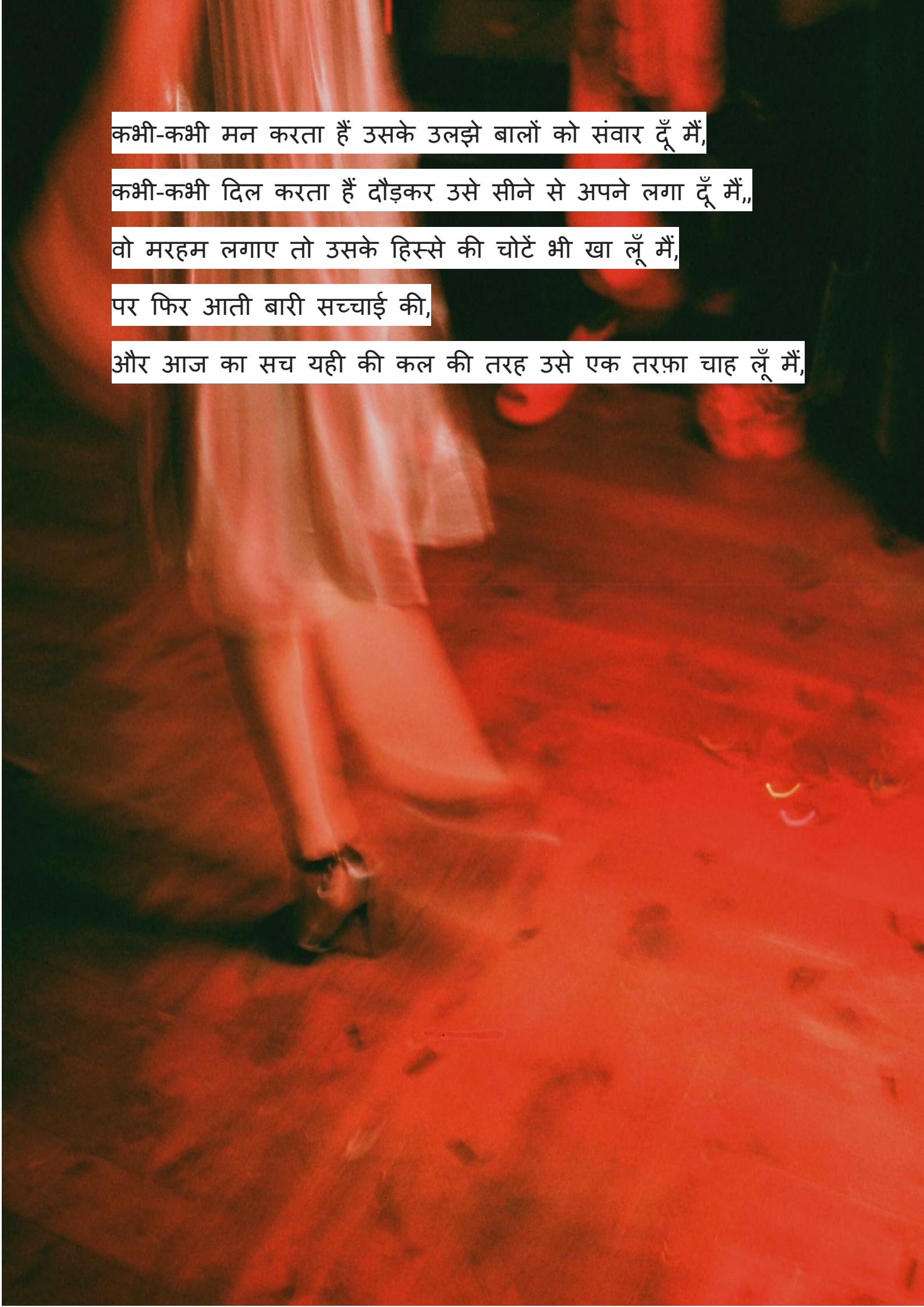
वो अप्सरा सी है, उसके मुस्कान से घाव मेरे भर से जाते हैं,

वैसे उसे रोते तो देख सकता नहीं,

पर रोती अगर वो होगी तो आँख मेरे भी भर से आते हैं,

समंदर से बचते फिरते हैं क्योंकि तैरना नहीं आता,

पर उससे बेहतर मौत ही क्या जो उनकी निगाहों में हम डूब कर पाते
हैं,

A person wearing a long, flowing white dress is walking on a red carpet. The carpet is a deep red color with some lighter patches and small debris. The person's legs and the bottom of the dress are visible. The background is dark and out of focus.

कभी-कभी मन करता हूँ उसके उलझे बालों को संवार दूँ मैं,

कभी-कभी दिल करता हूँ दौड़कर उसे सीने से अपने लगा दूँ मैं,,

वो मरहम लगाए तो उसके हिस्से की चोटें भी खा लूँ मैं,

पर फिर आती बारी सच्चाई की,

और आज का सच यही की कल की तरह उसे एक तरफ़ा चाह लूँ मैं,

6. KARZ (कर्ज)

मैं कोशिश करूँ तुमसे दूर जाने की, तुझसे नज़दीकियाँ अब दर्द दे रही हैं,

मैं बैठे करूँ इंतज़ार तेरे आने की, दिल अपनी जगह छोड़ फ़र्श पे पड़ी हैं,

इस इंतज़ार में, की आ कर इक दफ़ा तो इसे तुम पकड़ोगे,

पर कमबख्त ये जानता नहीं, हर बार की तरह इसे फिर तुम कुचलोगे,

तुझे सब दिखा पर मैं नहीं,

अब सच बोल और झूठ कह नहीं,

तू चली जा दूर, पास मेरे रह नहीं,

हमें हैं पता,

जितनी मोहब्बत हमें तुझसे हैं, उतनी मोहब्बत तुझे हैं नहीं,

तुझसे धोखे खाकर भी, तुझे रुला पाऊँगा नहीं,

तुझसे दूर जाकर भी, तुझे भुला पाऊँगा नहीं,
तेरे पास रहकर भी, तेरा बन पाऊँगा नहीं,
तेरे ज़ख्म सहकर भी, प्यार करता हूँ तुझे कह पाऊँगा नहीं,

मैं लिखता हूँ दर्द, और रोती सियाही हैं,
महफ़िलों में हंसकर, अकेले में अँखिया भर आई हैं,
तुम हमें मान बैठे दुश्मन, पर हम तेरे सिपाही हैं,
तुम जैसे कर्ज़ थे कोई, और हम तेरी भरपाई हैं,

तेरी तस्वीरों को सीने से लगाकर, रोते-रोते सो जाता हूँ,
ख्वाबों में तू मुझसे बातें जब करती, सोते-सोते मैं उनमें खो जाता हूँ,
मैं आज-कल तेरे सिवा, कहाँ किसी और पर लिख पाता हूँ,
मैं कोशिश करूँ अगर बनाने की दूरी तुझसे, मैं तेरा ही हो जाता हूँ,

हमें तेरा पता नहीं, पर मुझे तुझसे ज़्यादा किसी से कुर्बत नहीं,
हमें तुझे चाहने के लिए, तेरी ही ज़रूरत नहीं,
चाहत अगर जिस्म की, तो वो मोहब्बत नहीं,
हम मान लेंगे प्यार झूठा था मेरा, अगर मिला पाया कुदरत नहीं,

7. SHAYAR (शायर)

इस अंधेरी दुनिया में, तेरा शमा-सा चमकना,
तेरी आँखों में ताज़गी, हर रोज़ तेरा नया-सा लगना,
वो तेरी बातों का मेरे चैन को ठगना,
वो मेरी सियाही का तेरी खुशबूओं को मेरे करीब रखना,

वो बातें करते वक़्त, तेरे होठों का हल्का-सा हिलना,
वो तेरी मुस्कान से मेरे घावों का सिलना,
वो तेरी यादों पे, मेरा सुबह-ओ-शाम लिखना,
वो मेरे धड़कनों का तेज़ होना, जब तुझसे हो मिलना,

कभी दायरों में रहकर, कायर बने,
कभी दायरों को लांघकर, शायर बने,
तेरे कदमों से धड़कने तेज हुई, ये दिल तेरे पायल बने,
तू हसीना-ए-ताज़, हम इंसान तेरे दीदार के कायल बने,

तुझसे तो तेरी भी गलती पर माँग लूँ मैं माज़रत,
काटोगे जिस्म तो बहेगा इश्क़, इसमें अब बचा नहीं रक्त,
हम रहे नहीं सख़्त, तुझे देखते ही मदहोश होने लगते हैं,
तू पास हो तो खुश रहे, जाने पे तेरे हम रone लगते हैं,

जो हाथ कभी कलम पकड़ना ना चाहते थे, वो तेरे खातिर पूरे दिन
अब कलम नहीं छोड़ते,

ये आँखें जो लड़कियों को ना देखते थे, वो हर जगह अब तुझे ही हैं
खोजते,

ये दिमाग़ जिसने गानों के सिवा कुछ भी सोचा नहीं, वो हर वक़्त अब
तुझे ही हैं सोचते,

ये आँखें अब रone लगी हैं, और हाथ भीगा हुआ इनसे निकले आंसू
पोछते,

हमने सुकून माँगा था, हमें जन्नत मिला,

हमने जगह माँगा था, हमें मन्नत मिला,

बिन माँगे बहुत कुछ मिला, और तू मांगकर भी ना,

हमने तो दर्द माँगा था, हमें मोहब्बत मिला,

8. TOOT KAR (टूट कर)

मैं टूटकर बिखरा हूँ ऐसे, चाहकर भी कोई समेट नहीं सकता,

मैं तेरे हूँ इतने करीब की चाहकर भी कोई तुझसे दूर भेज नहीं सकता,

तुझको दुआओं में माँगा हूँ इतना, तेरे सिवा कोई सगा नहीं लगता,

तुझसे मिले धोके भी रख लूँ, तेरा दिया हर दगा भी अपना,

तू आज भी मेरा जहां, तू आज भी मेरा हूँ सपना,

तू रहना हमेशा मेरे करीब, दूर करें मुझसे रब ना,

तू आज भी मेरा हूँ सब, कल भी तू ही सब था,

तू मेरी हर चिट्ठी में मौजूद, ना जाने मैं तेरे ख्यालों में कब था,

मुझे तू लगती हूँ चाँद सी, मुझे तू लगती मासूम,

मैं बिन बोले तेरे हर शिकवे सुनूँ, ये बातें सबको मालूम,

आज भी मेरी रगों में तू ही बहें, यहाँ दौड़े ना खून,

आज भी दिल में तू ही रहें, तेरे बगैर यहाँ नहीं हूँ सुकून,

तू आए जब सामने, नज़रें मैं तुझसे कैसे हटाऊँ,

तुझे देखकर औरों के साथ, ना जाने मैं कितना पछताऊँ,

तुझको मैं कैसे भुलाऊँ, महफ़िलों में खुद को झूठा हंसाऊँ,
कलम से खुद को टूटा बताऊँ, मोहब्बत ये मेरी मैं कैसे जताऊँ,
हिम्मत मैं कैसे जुटाऊँ,
तू गुज़रे जब मेरे बगल से, चाहकर भी तुझे पा ना बुलाऊँ,

मैं ज़माने से भागूँ, तुम मुझसे भागो,
हम तेरी याद में जागो, तुम किसी और की याद में जागो,
हैं अगर तलाश तुम्हें नहीं मोहब्बत की तो वो भी बता दो,
मैं तेरी यादें मिटा नहीं सकता, तुम ही अपनी यादें हटा दो,
जो अगर मेरी गलती हो तो मुझको सज़ा दो,
पर अगर गलती ना हो तो मुझे टूटने से बचा लो,
मैं रोज़ गुज़रता हूँ तेरे दर से,
जो इस बार गुज़रूँ तो मुझे सीने से लगा लो,
मुझपर थोड़ा हक़ तुम भी जता लो,
मैंने दिल को खाली रखा है, यहाँ घर तुम ही बसा लो,

हम रोज़ तुझे ढूँढते हैं, हम रोज़ टूटते हैं,
रोज़ टूटकर भी भगवान से तेरा हाल ही पूछते हैं ।



**THANKS
FOR
READING**